DR.KOMAL VERMA

ASSISTANT PROFESSOR GUEST

SNSRKS COLLEGE SAHARSA

LECTURE NO 36 B.A PART IST PAPER 2ND

Dalhousie)

- लॉर्ड डलहौजी द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए गए प्रमुख सुधार निम्नलिखित हैं–

प्रशासनिक सुधार (Administrative Reforms)

- लॉर्ड डलहौजी ने **गवर्नर जनरल** के कार्यभार को हल्का करने के लिए बंगाल में एक लेफ्टिनेंट गवर्नर की नियुक्ति की.
- कम्पनी द्वारा प्राप्त किए गए नवीन प्रदेशों में **"नॉन रेग्यूलेशन पद्धति" (Non-Regulation System)** को लागू किया गया.
- इस पद्धति के अनुसार प्रत्येक नए प्रदेश में एक कमिश्नर नियुक्त किया गया.
- कमिश्नर सीधे गवर्नर जनरल के प्रति उत्तरदायी होता था.

सैनिक सुधार (Military Reforms)

- साम्राज्य में निरन्तर होते विस्तार को देखते हुए सैन्य व्यवस्था में भी सुधार किए गए.
- बंगाल तोपखाने का मुख्य कार्यालय कलकत्ता से मेरठ में स्थानांतरित किया गया.
- 1865 में शिमला में एक **सैन्य मुख्यालय** स्थापित किया गया.
- सेना में तीन और रेजिमेंटें बनाई गई.
- पंजाब में एक नई अनियमित सेना का गठन किया गया.
- यह सेना सीधे **पंजाब प्रशासन** के अधीन थी.
- इस सेना की परिपाटी और अनुशासन भी भिन्न था.

शैक्षणिक सुधार (Educational Reforms)

- डलहौजी के शासन काल में शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण सुधार हुए.
- 1853 में **टामसन की व्यवस्था** के अनुसार समस्त उत्तर-पश्चिमी प्रान्त (आधुनिक उत्तर प्रदेश), लोअर बंगाल और पंजाब में स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार भारतीय भाषाओं में शिक्षा का प्रस्ताव स्वीकार किया गया.
- जुलाई, 1854 में **सर चार्ल्स वुड** ने भारत सरकार को शिक्षा की एक नई योजना भेजी.
- इस योजना के अनुसार प्राथमिक शिक्षा से लेकर विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा के लिए एक व्यापक योजना बनाई गई.
- इसके अलावा इस योजना के अनुसार जिलों में एंग्लो-वर्नेक्यूलर स्कूलों, प्रमुख नगरों में सरकारी कॉलेजों तथा तीनों प्रेजिडेन्सी नगरों में एक-एक विश्वविद्यालय की स्थापना का भी प्रावधान था.

रेलवे विभाग (Department of Railway)

- भारत में सर्वप्रथम लार्ड डलहौजी के काल में 1853 में प्रथम रेलवे लाइन **बम्बई से थाना** तक बिछाई गई.
- अगले ही वर्ष कलकत्ता से रानीगंज कोयला क्षेत्र तक एक लाइन बिछाई गई.
- भारत में रेलवे लाइन बिछाने के काम में सरकार का नहीं वरन्, ब्रिटिश पूंजीपतियों का पैसा लगा हुआ था.

विद्युत तार (Bectric Telegraph)

- लार्ड डलहौजी को भारत में विद्युत तार का प्रारंभकर्ता माना जाता है.
- 1852 में विद्युत तार विभाग के अधीक्षक के पद पर नियुक्त किए गए.
- **ओ. औंघनैसी (O'Shanghnessy)** के अथक प्रयासों से लगभग 4000 मील लम्बी तार लाइन बिछा दी गई.
- जिससे कलकत्ता से पेशावर बम्बई और मद्रास तक देश के विभिन्न भागों को तार द्वारा मिला दिया गया.

डाक सुविधा (Postal Reforms)

- आधुनिक डाक व्यवस्था का आधार लार्ड डलहौजी के शासन काल में रखा गया था.
- 1854 में एक नया डाकघर अधिनियम पारित किया गया.
- सारे देश में कहीं भी 2 पैसे की दर पर पत्र भेजा जा सकता था.
- देश में **पहली बार डाक टिकटों का प्रचलन** आरंभ हुआ.

सार्वजनिक निर्माण विभाग (Public Works Department)

- डलहौजी से पूर्व सार्वजनिक निर्माण का कार्य एक सैनिक बोर्ड को करना होता था.
- डलहौजी ने एक अलग सार्वजनिक निर्माण विभाग का गठन किया.
- सिंचाई कार्यों पर भी ध्यान दिया गया.
- 8 अप्रैल, 1854 को सिंचाई हेतु **गंगा नहर** खोल दी गई.
- ग्राण्ड ट्रंक रोड़ का निर्माण कार्य भी प्रारंभ हुआ.

वाणिज्य-सुधार (Commercial Reforms)

- डलहौजी ने भारत के बन्दरगाहों को अन्तरराष्ट्रीय वाणिज्य के लिए खोल दिया.
- कराची, बम्बई और कलकत्ता के बन्दरगाहों का भी विकास किया गया.

1857 के विद्रोह के लिए लार्ड डलहौजी का उत्तरदायित्व (Dalhousle's Responsibility for the Revolt of 1857)

- लार्ड डलहौजी के साम्राज्यवादी कार्यों से भारत में उफान एकत्रित हो रहा था.
- उसके व्यपगत के सिद्धांत से भारतीय राजाओं में असंतोष फैल गया.
- इस सिद्धांत ने भारतीय लोगों के पारम्परिक रीति रिवाजों की अवहेलना की.